ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

SUBJECT : SANSKRIT

CHAPTER NO: 2

CHAPTER NAME: DURBUDHI HI BINASYATI

PPT-1

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

ODM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

द्वितीयः पाठः

दुर्बुद्धिः विनश्यति

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

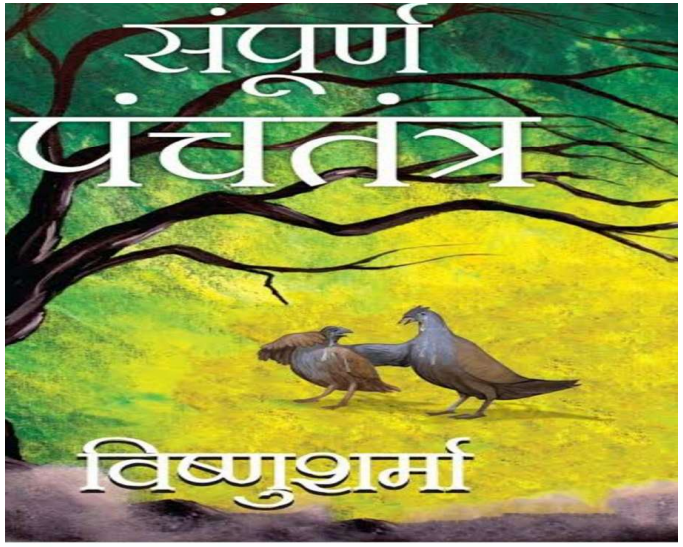

ODM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

ODM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

दुर्बुद्धि विनश्यति पाठ का परिचय

प्रस्तुत पाठ की कथा 'पञ्चतन्त्र' नामक ग्रंथ से ली गयी है। 'पञ्चतन्त्र' के लेखक पं० विष्णुशर्मा हैं। इस कथा के द्वारा बताया गया है कि अनुचित समय पर बोलने से कैसे सब कुछ नष्ट हो जाता है। कभी-कभी मौन रहकर भी कार्य सफल हो सकता है।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

सामान्य उद्देश्य :

१.छात्रा: पञ्चतन्त्रविषये सम्यक् जानन्ति ।

विशेष उद्देश्य :

१.संस्कृतभाषायाम् अभिरुचि: उत्पादनम् ।

२.भाषण- लेखन – पठन कौशलयो: रुच्यभिवर्धनम् ।

३.शब्दार्थज्ञान सम्पादनम्, इत्यादय: ।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

अस्ति मगधदेशे फुल्लोत्पलनाम सरः। तत्र संकटविकटौ हंसौ निवसतः। कम्बुग्रीवनामकः तयोः मित्रम् एकः कूर्मः अपि तत्रैव प्रतिवसति स्म।

सरलार्थ - मगध देश में फुल्लोत्पल नामक सरोवर (तालाब) है। वहाँ संकट और विकट दो हंस रहते हैं। उन दोनों का मित्र कम्बुग्रीव नाम का एक कछुआ भी वहीं रहता था।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

अथ एकदा धीवराः तत्र आगच्छन्। ते अकथयन् -"वयं श्वः मत्स्यकूर्मादीन् मारयिष्यामः।" एतत् श्रुत्वा कूर्मः अवदत्-"मित्रे! किं युवाभ्यां धीवराणां वार्ता श्रुता? अधुना किम् अहं करोमि?" हंसौ अवदताम् - "प्रातः यद् उचितं तत्कर्त्तव्यम्।" कूर्मः अवदत्- "मैवम्। तद् यथाऽहम् अन्यं ह्रदं गच्छामि तथा कुरुतम्।" हंसौ अवदताम्-"आवां किं करवाव?" कूर्मः अवदत्-"अहं युवाभ्यां सह आकाशमार्गेण अन्यत्र गन्तुम् इच्छामि।"

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

सरलार्थ - तत्पश्चात् एक बार मछुआरे वहाँ आ गए। उन्होनें कहा- 'हम सब कल मछलियों और कछुओं को मार डालेंगे।' यह सुनकर कछुआ बोला- 'हे मित्र! क्या तुम दोनों ने मछुआरों की बात सुनी? अब मैं क्या करूँ?' दोनों हंस बोले- 'सुबह जो उचित होगा, वह करेंगे।' कछुआ बोला- 'ऐसा नहीं। वैसा उपाय करो जिससे मैं दूसरे तालाब में चला जाऊँ।' दोनों हंस बोले- 'हम दोनों क्या करें?' कछुआ बोला- 'मैं तुम दोनों के साथ आकाश मार्ग से दूसरी जगह जाना चाहता हूँ।'

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

हंसौ अवदताम्-"अत्र कः उपायः?" कच्छपः वदति-"युवां काष्ठदण्डम् एकं चञ्च्वा धारयताम्। अहं काष्ठदण्डमध्ये अवलम्ब्य युवयोः पक्षबलेन सुखेन गमिष्यामि।"

सरलार्थ - दोनों हंस बोले- यहाँ क्या उपाय है?' कछुआ बोला- 'तुम दोनों लकड़ी के एक डण्डे को चोंच से पकड़ लेना। मैं लकड़ी के डण्डे के मध्य भाग का सहारा लेकर तुम दोनों के पंखों के बल से आराम से चला जाऊँगा।'

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

श्रेण्याम् पञ्चतन्त्र विषये ज्ञानप्रदानम्।

1. केचित् पुस्तकानां नामानि वदत।
2. तेषु वेदा: कतिविधा: ?
3. वेदानां सार: कस्मिन् पुस्तके वर्णितम् अस्ति।
४. अन्यानि पुस्तकानां नामानि वदतु यत्र उपदेशवाणी अस्ति!
५. पञ्चतन्त्र पुस्तकस्य रचयिता क: ?

तर्हि अद्य वयं सर्वे पञ्चतन्त्र इति पुस्तकस्य दुर्बुद्धि: विनस्यति पाठं पठाम:।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

ODM EDUCATIONAL GROUP